

- 1. Критически важно выдержать угол деталей 1,2,3 равным 62 градусам.
- 2. Критически важно выдержать угол деталей 1,2,3,4 равным 90 градусам.
- 3. Точная длина деталей 5 и 6 уточняется после сшива между собой деталей 1,2,3,4.
- 4. Длину детали 7 нельзя увеличивать более чем на 20-30мм.
- 5. Направление ткани в боутах (детали 8–13) должно быть таким же, как в соответствующей детали паруса, на которую от пришивается.
- 6. Раскрой трёх латкарманов не показан.

| | | | | | | _ , | /lum | | Масса | | Μαсштаδ | |
|-----------|--------|----------|---------|------|---------------|------------|------|--|--------|--|---------|---|
| Изм. | Лист | № докум. | Подпись | Дата | Грот | | | | | | | |
| Разраδ. | | Соболев | | | • | | | | | | 1:10 | |
| Провер. | | Красавин | | | Раскрой ткани | Nucm 1 Nuc | | | | | | |
| Т. контр. | | | | | , | | | | 1 Лисі | | ποβ | 1 |
| | | | | | | | | | | | | |
| Н. А | контр. | Лунёв | | | | | | | | | | |
| Ут | верд. | <u> </u> | | | | | | | | | | |